आईआईटी में तैयार किए जाएंगे मैन्यूफैक्चरिंग लीडर, कार्यशाला लगेगी

कानपुर। भारत में लगातार बंद हो रहे कारखानों में कुशल प्रबंधन की कमी है। बड़े की जगह छोटे-छोटे कारखाने लगाकर लोगों को रोजगार मुहैय्या करने की कसरत में अब विज्ञानी पूरी तरह शामिल हो गए हैं। इसके लिए भारत जापान के साथ मिलकर नए मैन्यूफैक्चरिंग लीडरों को तैयार करेगा। इसके लिए आईआईटी कानपुर में आगामी जुलाई से कुशल प्रबंधन के लिए पाठ्यक्रम शुरू होगा। इसके लिए 4 लैब तैयार की जा रही हैं। इसमें देश के आईआईएम भी पूरा सहयोग करेंगे। जापान सरकार पूरा सहयोग करेगी। यह जानकारी गुरुवार को जापान से आए वरिष्ठ प्रोफेसर सीजा सीबा ने बातचीत में दी।

उन्होंने बताया कि अमेरिका सरीखे देश में छोटे-छोटे कारखानों से टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, लेदर, आटोंमोबाइल, स्टील समेत अन्य सेक्टरों में बेहतरीन उत्पादन हो रहा है। देश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। इसके पीछे इंडस्ट्री को बेहतर तकनीकी प्रबंधन की जरूरत है। इसके लिए आईआईटी कानपुर को चुना गया है। इस प्रोग्राम के लिए सात माडयूल्स तैयार किए गए हैं। इस मौके पर आईआईटी के निदेशक संजय गोविंद धांडे और आईआईएम कोलकाता के निदेशक डॉ शेखर चौधरी ने कहा कि तकनीकी और प्रबंधन संस्थान मिलकर जुलाई से 50 इंजीनियरिंग ग्रेजुएट प्रबंधन की डिग्री धारकों और किसी बड़े कारखाने में ऊंचे पदों पर काम करने वालों को ही मैन्यूफैक्चरिंग लीडर तैयार करने का काम करेंगे। सविता नागपाल ने कहा कि इस नए अपनाए जा रहे सिस्टम से भारत के बंद हो रहे कारखानों को बचाया जा सकेगा। आरक्षण के मुद्दे पर आईआईटी और आईआईएम के निदेशकों ने कहा कि इसे लागू किया जाएगा।

तराशे जाएंगे

- भारत और जापान मिलकर करेंगे काम
- आगामी जुलाई से नया पाठ्यक्रम शुरू होगा